मैं लड्डुवन का भोग हूँ लाइ गणेश जी भजन

आओ गणपति जी महाराज,
मैं लड्डुवन का भोग हूँ लाइ,
लड्डुवन का भोग हूँ लाइ,
मोदक का भोग हूँ लाइ,
आओ गणपति जी महाराज,
मैं लड्डुवन का भोग हूँ लाइ।bd।

तर्ज – होरी खेल रहे नन्दलाल।

तेरे शीश मुकुट मन मोहे,
कानो में कुण्डल सोहे,
तेरे गल फूलों का हार,
तेरी शोभा खूब बढ़ाई,
आओ गणपति जी महाराज,
मैं लड्डुवन का भोग हूं लाइ।bd।

तुम हो चार भुजा धारी,
करो मूषक की असवारी,
तेरी जय जय हो सरकार,
मेरी बिगड़ी बात बनाई,
आओ गणपति जी महाराज,
मैं लड्डुवन का भोग हूं लाइ।bd।

चांदी की चौकी बिठाऊँ,
तुझे माथे तिलक लगाऊं,
मेरी सेवा करो स्वीकार,
मेरे मन में ज्योत जगाई,
आओ गणपति जी महाराज,
मैं लड्डुवन का भोग हूं लाइ।bd।

सुन दीनन के हितकारी,
तुम रखना लाज हमारी,
'अर्चू' आई तेरे द्वार,
तेरी सूरत मन में समाई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com
Bhajan Diary Lyrics,

आओ गणपति जी महाराज,
मैं लड्डुवन का भोग हूं लाइ।bd।

आओ गणपति जी महाराज,
मैं लड्डुवन का भोग हूँ लाइ,
लड्डुवन का भोग हूँ लाइ,
मोदक का भोग हूँ लाइ,
आओ गणपति जी महाराज,
मैं लड्डुवन का भोग हूँ लाइ।bd।

Singer – Upasana Mehta

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com